No. of Printed Pages : 4

BGP–002

CERTIFICATE PROGRAMME IN PEACE STUDIES AND CONFLICT MANAGEMENT (CPSCM)

Term-End Examination

December, 2024

BGP-002 : INDIAN PERSPECTIVES ON PEACE AND CONFLICT

Time : 2 Hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Answer* ***five*** *questions in all in about* ***400*** *words each, taking at least* ***two*** *from each Section. All questions carry equal marks.*

Section—I

1. Explain the perspective of peace as propagated in Jainism.

2. What do you mean by peace movements ? Elaborate their secular and religious facets.

3. Explain the key challenges for sustainable management of natural resources.

4. Elaborate the diverse facets of rural-urban divides in contemporary India. How can these be minimised ?

5. "Social inequality is a threat to sustainable peace in society." Explain in relation to dimensions of inequality in society.

Section—II

6. Critically evaluate the role of NGOs in maintaining peace in society.

7. "Mediation is the best means to resolve conflict." Discuss with illustration.

8. Discuss the role of judiciary in resolving conflict and ensuring peace in society.

Or

"Justice delayed is justice denied." Explain critically.

9. Elaborate the significance of people's response to conflict resolution in a plural society.

10. "Reconciliation is better than confrontation for sustainable peace." Discuss.

BGP–002

शांति अध्ययन और संघर्ष प्रबन्धन में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम (सी. पी. एस. सी. एम.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.जी.पी.-002 : शांति और संघर्ष : भारतीय परिप्रेक्ष्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रत्येक भाग से कम-से-कम* ***दो*** *प्रश्न चुनते हुए कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।*

भाग—I

1. जैन धर्म में प्रसारित शांति के परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिए।

2. शांति आंदोलनों से आप क्या समझते हैं ? उनके धर्म निरपेक्ष और धार्मिक पहलुओं का विस्तृत वर्णन कीजिए।

3. प्राकृतिक संसाधनों के सतत् प्रबंधन के लिए प्रमुख चुनौतियों की व्याख्या कीजिए।

4. समकालीन भारत में ग्रामीण–शहरी विभाजन के विविध पहलुओं का विस्तार से वर्णन कीजिए। इन्हें कैसे कम किया जा सकता है ?

5. "सामाजिक असमानता समाज में स्थायी शांति के लिए खतरा है।" समाज में असमानता के आयामों के संबंध में व्याख्या कीजिए।

भाग—II

6. समाज में शांति बनाए रखने में गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

7. "मध्यस्थता संघर्ष को सुलझाने का सबसे अच्छा साधन है।" उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

8. संघर्ष को सुलझाने और समाज में शांति सुनिश्चित करने में न्यायपालिका की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

अथवा

"न्याय में विलंब न्यास से वंचित करने के समान हैं।" आलोचनात्मक रूप से समझाइए।

9. बहुलवादी समाज में संघर्ष समाधान के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

10. "स्थायी शांति के लिए सामंजस्य टकराव से बेहतर है।" चर्चा कीजिए।

× × × × × × ×